सिंचाई क्षमता का सृजन

7. श्री ललित कुमार यादव-- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में वृहत एवं मध्यम सिंचाई योजनाओं की सिंचन क्षमता 53.53 लाख हेक्टेयर करने का सरकार द्वारा वर्ष 2009-10 में निर्णय लिया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि मार्च, 2010 तक 28.28 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता सृजित किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार शेष बचे भूमि पर सिंचाई क्षमता सृजित करने हेतु कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

8. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह--क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2006 में ही पूर्वी भारत को गोवाहाटी से दिल्ली को जोड़ने वाली 4 लेन सड़क की स्वीकृति हुई थी;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पथ का बिहार राज्य में पड़ने वाले हिस्से का पटना से कोईलवर-सोन नदी पर पुल बनाकर आरा बक्सर होते हुए गुजरना था जिसका डी०पी०आर० वर्ष 2008 में ही तैयार हो गया था, परन्तु अभीतक कोई कार्य इसके आगे नहीं बढ़ सका है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त महत्वपूर्ण पथ के निर्माण हेतु कौन-सा कदम उठाने का विचार रखती है, हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

योजनाओं की स्वीकृति

9. श्री राहुल कुमार-- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि जल पथ प्रमंडल जहानाबाद के अंतर्गत फल्गु जमींदारी तटबंध में बंधुगंज, गाजीपुर, ओकरी के पास भीषण कटाव हो रहा है तथा कतपुरा मुड़ियाबिगहा, कुरुआ, मइया के पास तटबंध में गैप है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्थलों पर कटाव निरोधक एवं गैप भरने संबंधी कार्य हेतु जल पथ प्रमंडल, जहानाबाद द्वारा योजना बनाकर चार माह पूर्व मुख्यालय को भेजा गया है, परन्तु अभीतक योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त नहीं होने के कारण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त योजनाओं की स्वीकृति देकर काम कराने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

10. श्री तारकिशोर प्रसाद--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित शीर्षक "जरूरत 15 अरब की मिले सिर्फ 310 करोड़" की ओर ध्यानाकृष्ट करते हुए क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बिहार में वित्तीय वर्ष 2010-11 में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजनान्तर्गत केन्द्र से 1850 करोड़ राशि में मात्र 20 %, 310 करोड़ राशि मिला, जिससे 5000 कि०मी० सड़क का निर्माण कार्य ठप है, यदि हां, तो सरकार उक्त सड़कों के निर्माण हेतु कौन-सी कदम उठाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

परियोजना का कार्यान्वयन

11. श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह-- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि उत्तर कोयल सिंचाई परियोजना का जल संग्रह प्रक्षेत्र (स्टॉक यार्ड) का कार्य विगत 20 वर्षों से अधूरा पड़ा है जिससे उत्तर कोयल परियोजना की सिंचित भूमि की सिंचाई वर्षा पर निर्भर करता है;

(2) क्या यह बात सही है कि उत्तर कोयल नहर परियोजना से सिंचित भूमि का रेन्ट पेरेनियल (Perennial) दर पर लगाया जाता है और वर्षा आधारित दूसरी परियोजनाओं से नन पेरेनियल दर से रेन्ट लिया जाता है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उत्तर कोयल परियोजना का स्टॉक यार्ड कबतक पूरा कर तथा रेन्ट कब से नन पेरेनियल दर पर करने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

लक्ष्य की प्राप्ति

12. डॉ० अरूण कुमार-- क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि वर्ष 2009-10 में मुख्य मंत्री ग्रामीण संपर्क पथ योजना के तहत कुल 382 करोड़ 68 लाख रुपया का प्रावधान था, जिसमें मात्र 17 करोड़ रुपया व्यय हुआ, यदि हां, तो क्या सरकार चालू वित्तीय वर्ष में उक्त राशि को व्यय कर लक्ष्य प्राप्त करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या?

पदाधिकारी पर कार्रवाई

13. श्री विक्रम कुँवर-- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि अप्रील 2009 से जुलाई, 2009 तक राज्य में बाढ़ पूर्व तैयारी में तटबन्धों की मरम्मती एवं बाढ़ की सुरक्षा की मद में 339 करोड़ रुपया खर्च किया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि इतनी बड़ी राशि खर्च किए जाने के बावजूद राज्य के 15 जिलों के 84 प्रखंडों की 568 पंचायतों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया जिससे राज्य की 35 लाख जनता प्रभावित हुई है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार द्वारा इतनी बड़ी राशि के व्यय करने का क्या औचित्य है तथा सरकार टूटे तटबंधों की जांच कराकर दोषी पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल की मरम्मती

14. श्री नीरज कुमार सिंह-- क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि खगड़िया जिला अन्तर्गत एन०एच० 107 के कोशी नदी में डुमरी घाट पुल (बी०पी० मंडल सेतु) का पाया धंस जाने के कारण आवागमन ठप है;

(2) क्या यह बात सही है कि सुपौल, मधेपुरा, सहरसा जिला को राजधानी या अन्य जिलों से जोड़ने वाली एकमात्र पथ पर यह पुल अवस्थित है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पुल की मरम्मती कराने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों?

स्परों का निर्माण

15. श्री विभाष चन्द्र चौधरी-- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तर्गत बरारी प्रखण्ड के काढ़ागोला घाट पर गंगा नदी के कटाव रोकने हेतु स्परों का निर्माण हुआ है;

(2) क्या यह बात सही है कि माह अगस्त, सितम्बर, 2010 में स्पर संख्या 7,8 एवं 9 गंगा कटाव के कारण पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गया है;

(3) क्या यह बात सही है कि उपरोक्त स्परों के क्षतिग्रस्त होने के कारण काढ़ागोला घाट, भण्डारतल, उचला सहित दर्जनों गांव के साथ-साथ कृषि योग्य भूमि पर गंगा नदी से कटाव होने का खतरा उत्पन्न हो गया है;

(4) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त क्षतिग्रस्त स्परों का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों?

योजना पूर्ण करना

16. श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह-- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बक्सर जिला स्थित नावानगर थाना में वर्ष 1960 में मलई नदी पर बराज बनाकर जलाशय द्वारा इसके पानी को सोन नहर में डालकर पानी के कमी को पूरा करने हेतु योजना बनाई गयी थी एवं पुनः वर्ष 1985 में 2 करोड़ 68 लाख की योजना बनी एवं कार्य भी प्रारम्भ किया गया था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त योजना पर इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बावजूद भी योजना को अभीतक पूर्ण नहीं किया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त योजना को पूर्ण कराने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों?

सुरक्षा प्रदान करना

17. श्री राम सेवक हजारी-- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला अन्तर्गत कल्याणपुर प्रखंड के गनौरा वागमती नदी के कटाव से वित्तीय वर्ष 2009-10 में आधी से अधिक आबादी नदी में विलीन हो गयी है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त जिला के सीमा पर अवस्थित इस कटाव से समस्तीपुर जिला की सीमा समाप्त होने के कगार पर है;

(3) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कटाव अवरोधक कार्य कर बचे हुए आबादी को सुरक्षा प्रदान कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना:
दिनांक 8 दिसम्बर, 2010 (ई०) ।

सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा,
सचिव,
बिहार विधान-सभा।

बि० स० मु० (एल० ए०), 85 डी० टी० पी०-450